सत्रीय कार्य

Assignment

पाठ्यक्रम – एम.ए. ग्राम विकास

(एमएआरडी – द्वितीय वर्ष)

Master of Art's in Rural Development

(MARD - Second Year)

2011–2012

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

: पता :

पाठ्यक्रम संयोजक

महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केन्द्र

गांधी हिल, वर्धा–442005 (महाराष्ट्र)

फोन/ फैक्स नं. : 07152–247146 वेब साईटः www.hindivishwa.org

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केन्द्र

संदीप मधुकर सपकाले
सहायक प्रोफेसर

दूरभाष/Phone:+ 07152-247146
फैक्स/Fax: + 07152-247146
ई-मेल -
पत्रांक : 023/09/स.का.फा./31/
दिनांक :

एम.ए. ग्राम विकास (द्वितीय वर्ष)
सत्रीय कार्य हेतु दिशा-निर्देश

प्रिय छात्र/छात्राओं,

सत्र 2011-12 का सत्रीय कार्य आपको भेजा जा रहा है।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य-सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्यक्रम-सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आप के लिए लाभप्रद रहेगा।

1. सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कर लीजिए।

2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप लिखने से पहले नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। संदर्भ और व्याख्या वाले प्रश्न में यह अवश्य जाँच लें कि संदर्भ में कहीं बातें दिये गये अंश के अनुरूप हैं। व्याख्या में भी क्रमबद्धता, तार्किकता और स्पष्टता होनी चाहिए। व्याकरण संबंधी प्रश्नों की जिनके उत्तर एक-दो शब्दों या एक-दो पंक्ति में देने हैं वहाँ अपने उत्तर पर अच्छी तरह से विचार कर लीजिए। अगर आप बिना समझे पुस्तक या अन्य किसी स्त्रोत की सहायता से उत्तर देंगे तो इससे आपका कोई लाभ नहीं होगा और सत्रांत परीक्षा में आप ऐसे प्रश्नों का सही उत्तर नहीं दे पायेंगे। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभ में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

   यह सुनिश्चित कर लीजिए कि
   (क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
   (ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
   (ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,
   (घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
   (ड) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हो, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतीयों से बचें।
   (ढ़) सत्रीय कार्य की एक छाया-प्रति (Photocopy) विद्यार्थी अपने पास अवश्य रखें।

3. प्रस्तुति : जब आप उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए। तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हे रेखांकित कर दीजिए।
4. पाठ्यक्रम से सम्बन्धित अकादमिक सहायता के लिए smsapkale@gmail.com पर मेल भेज सकते है अथवा मो.क्र. 9823447929 पर संपर्क कर सकते है।

शुभकामनाओं सहित,

(पाठ्यक्रम संयोजक)

सत्रीय कार्य निर्धारित पते पर प्राप्ति की तिथि ***– 30 अप्रैल, 2012*** है।

पता : **निदेशक, महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केन्द्र,**
पोस्ट – हिन्दी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा – 442005
महाराष्ट्र (फोन/फैक्स नं. : 07152-247146,
वेब साईटः **www.hindivishwa.org**

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

दूरस्थ शिक्षा केंद्र

ज्ञान शांति मैत्री

सत्रीय कार्य (Assignment) - 1

कुल अंक : 30

पाठ्यक्रम कोड (MRDE - 101)
प्रथम प्रश्न पत्र शीर्षक - ग्रामीण सामाजिक विकास
खंड 1 से 4 पर आधारित

नोट : प्रत्येक सत्रीय कार्य को तीन भागों में बाँटा गया है। जिसमें दीर्घ, मध्यम और लघु उत्तरों की अपेक्षा है। दीर्घ उत्तर 800 से 1000 शब्दों के बीच होने चाहिए। मध्यम श्रेणी के उत्तर 300 से 500 शब्दों तक होने चाहिए। लघु श्रेणी के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

खण्ड - अ

दीर्घ उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 18

1. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 से आप क्या समझते है? अधिनियम की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
2. ग्रामीण क्षेत्रों में बाल मजदूरी की दुर्दशा को स्पष्ट करते हुए बंधुआपन के कारणों को रेखांकित कीजिए।
3. सशक्तिकरण की प्रक्रिया में महिला एक महत्वपूर्ण मुद्दा क्यों है ? चर्चा कीजिए।

खण्ड - ब

मध्यम उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 08

1. बालिकाओं के प्रति भेदभाव के दृष्टिकोण को समझाइए।
2. भारतीय ग्रामीण बच्चों के स्वास्थ्य तथा पोषण संबंधी प्रस्थिति का वर्णन कीजिए।
3. अनुसूचित जनजातियों की संवैधानिक स्थिति का परिचय दीजिए।
4. भूमिहीन श्रमिकों से संबंधित समस्याओं का वर्णन कीजिए।

खण्ड - क

अधिकतम अंक : 04

लघु उत्तर प्रश्न

टिप्पणी लिखिए।

1. अधिनिर्दिष्ट एवं खनाबदोश जनजातियाँ
2. दस्तकार और शिल्पी

पाठ्यक्रम कोड (MRDE - 002)
द्वितीय प्रश्न पत्र शीर्षक – ग्रामीण विकास में स्वैच्छिक क्रिया
खंड 1 से 4 पर आधारित

नोट : प्रत्येक सत्रीय कार्य को तीन भागों में बाँटा गया है। जिसमें दीर्घ, मध्यम और लघु उत्तरों की अपेक्षा है। दीर्घ उत्तर 800 से 1000 शब्दों के बीच होने चाहिए। मध्यम श्रेणी के उत्तर 300 से 500 शब्दों तक होने चाहिए। लघु श्रेणी के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

खण्ड – अ

दीर्घ उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 18

1. ग्राम विकास के संबंध में एनजीओज़ (NGO's) द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोणों और राजकीय नीति के अंर्तसंबंध की प्रकृति को स्पष्ट कीजिए।
2. ग्रामीण स्वैच्छिक संगठन की आंतरिक शासन प्रणाली स्पष्ट करते हुए आयकर संबंधी समस्या पर विचार कीजिए।
3. मैक्स वेबर के सामाजिक क्रिया के सिद्धांत तथा टालकॉट पार्सन्स के क्रिया के स्वैच्छिकवादी सिद्धांत का वर्णन कीजिए।

खण्ड – ब

मध्यम उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 08

1. आधुनिक लोकतंत्र की उत्पत्ति और उदय का वर्णन कीजिए।
2. कल्याणकारी राज्य के विकास संबंधी सरोकारों को स्पष्ट कीजिए।
3. लाभ निरपेक्ष संगठन से आप क्या समझते हैं?
4. प्रशासन एवं प्रबंधन के पारंपरिक दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए।

खण्ड – क

लघु उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 04

टिप्पणी लिखिए।

1. आगा खाँ ग्रामीण सहयोग कार्यक्रम (AKRSP)
2. विश्व नागरिक समाज

पाठ्यक्रम कोड (MRDE - 003)
तृतीय प्रश्न पत्र शीर्षक – भूमि-सुधार और ग्राम विकास
खंड 1 से 3 पर आधारित

नोट : प्रत्येक सत्रीय कार्य को तीन भागों में बाँटा गया है। जिसमें दीर्घ, मध्यम और लघु उत्तरों की अपेक्षा है। दीर्घ उत्तर 800 से 1000 शब्दों के बीच होने चाहिए। मध्यम श्रेणी के उत्तर 300 से 500 शब्दों तक होने चाहिए। लघु श्रेणी के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

खण्ड – अ

दीर्घ उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 18

1. भूमि सुधार में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के योगदानों की विस्तार पूर्वक चर्चा कीजिए।
2. ग्राम विकास में भूमि-सुधार की आवश्यकता को समझाते हुए भूमि सुधार मुद्दो का विश्लेषण कीजिए।
3. मध्यकालीन एवं औपनिवेशिक काल की भू-राजस्व प्रशासन प्रणाली पर प्रकाश डालिए।

खण्ड – ब

मध्यम उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 08

1. श्रीलंका में भूमिसुधार प्रयोगों का परिचय दीजिए।
2. समाजिक विकाय में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
3. अंग्रेजी राज में पंचायती राज में भूधृति प्रणाली को तालिका द्वारा प्रस्तुत कीजिए।
4. भारतीय भूमि सुधार के अनुसार 'बिचौलियों की समाप्ति' से क्या तात्पर्य है ।

खण्ड – क

अधिकतम अंक : 04

लघु उत्तर प्रश्न

टिप्पणी लिखिए।

1. दक्कन के दंगे
2. किसान आंदोलन

पाठ्यक्रम कोड (MRDE - 004)
चतुर्थ प्रश्न पत्र शीर्षक - उद्यमशीलता एवं ग्राम विकास
खंड 1 से 3 पर आधारित

नोट : प्रत्येक सत्रीय कार्य को तीन भागों में बाँटा गया है। जिसमें दीर्घ, मध्यम और लघु उत्तरों की अपेक्षा है। दीर्घ उत्तर 800 से 1000 शब्दों के बीच होने चाहिए। मध्यम श्रेणी के उत्तर 300 से 500 शब्दों तक होने चाहिए। लघु श्रेणी के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

खण्ड - अ

दीर्घ उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 18

1. उद्यमशीलता आधारित विभिन्न सिद्धांतों का परिचय देते हुए उनमें आए नवाचार एवं अनुकूलन को परिभाषित कीजिए।
2. ग्रामीण उद्यम के प्रबंधन में कौन-कौन सी समस्याएँ आ सकती है ? स्पष्ट कीजिए।
3. उद्यमी डॉ.एस.वी.बालासुब्रह्मण्यिम के जीवन एवं कार्यो का परिचय दीजिए।

खण्ड - ब

मध्यम उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 12

1. बाजार अर्थव्यवस्था क्या है? स्पष्ट कीजिए।
2. ग्रामीण उद्यमशीलता की व्याख्या कीजिए।
3. पंचायत उद्योग से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।
4. स्वामित्व के लाभ और दोष संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड - क

लघु उत्तर प्रश्न

टिप्पणी लिखिए।

1. ग्रामीण बैंक
2. ग्रामीण पर्यटन

पाठ्यक्रम कोड (RRD - 06)
पचंम प्रश्न पत्र शीर्षक - ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल
खंड 1 से 3 पर आधारित

नोट : प्रत्येक सत्रीय कार्य को तीन भागों में बाँटा गया है। जिसमें दीर्घ, मध्यम और लघु उत्तरों की अपेक्षा है। दीर्घ उत्तर 800 से 1000 शब्दों के बीच होने चाहिए। मध्यम श्रेणी के उत्तर 300 से 500 शब्दों तक होने चाहिए। लघु श्रेणी के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

खण्ड - अ

दीर्घ उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 18

1. विकास के विभिन्न उपागमों (दृष्टिकोणों) का वर्णन करते हुए स्वास्थ्य और विकास के बीच अंत:संबंधों का विवेचन कीजिए।
2. स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रमों के अर्थ एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया का विश्लेषण कीजिए।
3. ग्रामीण भारत में पर्यावरणीय स्वच्छता संबंधी समस्याओं की व्याख्या कीजिए ।

खण्ड - ब

मध्यम उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 12

1. स्वास्थ्य शिक्षा सिद्धांतों पर चर्चा कीजिए।
2. महामारी प्रबंधन क्रियाकलाप का परिचय दीजिए ।
3. भारतीय स्वास्थ्य सेवा का परिचय दीजिए।
4. स्वास्थ्य देखभाल में गैर सरकारी संगठनों के नवीन प्रयोगों पर प्रकाश डालिए

खण्ड - क

लघु उत्तर प्रश्न

टिप्पणी लिखिए।

1. मेलघाट
2. एन.आर.एच.एम. (NRHM)

****